भाषा शिक्षण एक कला

कक्षा छठी

मेरा स्कूल

विद्यालय एक ऐसा स्थान है, जहां हम बहुत कुछ सीखते हैं। इसे ज्ञान का मंदिर कहा जाता है।

मेरे विद्यालय का नाम .....स्कूल है। मेरा विद्यालय बहुत बड़ा है। इसकी इमारत बहुत ही सुन्दर है। यह मेरे घर के पास शहर के केंद्र में स्थित है।

मेरे विद्यालय के चारों ओर का स्थान बहुत शांतिपूर्ण और प्रदूषण से मुक्त है

मेरे स्कूल में एक पुस्तकालय और एक विज्ञान प्रयोगशाला है।

हम सभी बच्चों के खेलने के लिए एक बड़ा खेल का मैदान है जहाँ कई झूले है और एक बड़ा बगीचा है जिसमें कई सारे फूल खिले रहते हैं।

हमारी प्रधानाचार्या जी बहुत दयालु हैं। हमारे स्कूल में, २० शिक्षक हैं, जो हमें ज्ञान देते हैं और हमें प्यार भी करते है। विभिन्न गतिविधियों और कार्यों को साल भर आयोजित किया जाता है।

मेरे स्कूल के अध्ययन मानदंड बहुत ही रचनात्मक हैं जो हमें किसी भी कठिन विषय को आसानी से समझने में मदद करते हैं। हमारे शिक्षक हमें बहुत ईमानदारी से सब कुछ सिखाते हैं और हमें व्यावहारिक रूप से ज्ञान भी देते हैं।

मुझे अपने स्कूल पर बहुत गर्व है।

प्रयास रत:

कंचन वासन, हिंदी शिक्षिका

सरकारी कन्या हाई स्कूल शाहकोट (जालंधर)